RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

खनिज तथा ऊर्जा संसाधन



Chapter-5 | Part-6

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1 अभ्यास प्रश्न



(भारत मानचित्र)

- खनन स्थानों
- ऊर्जा संयंत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



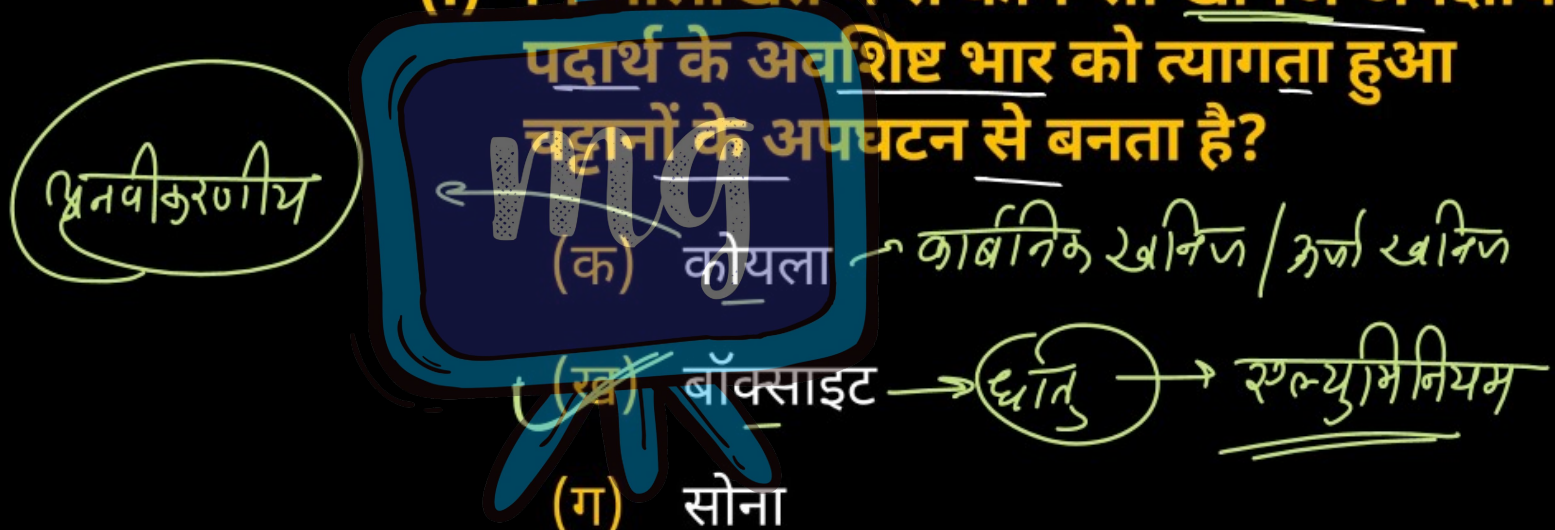
अभ्यास प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. **बहुवैकल्पिक प्रश्न**

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज अपक्षयित पदार्थ के अवशिष्ट भार को त्यागता हुआ वाष्पनों के अपघटन से बनता है?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) झारखंड में स्थित कोडरमा निम्नलिखित से किस खनिज का अग्रणी उत्पादक है?

छोटा नागपुर पठार

खनिजों से सम्पन्न

कोयला, लौह, बॉक्साइट

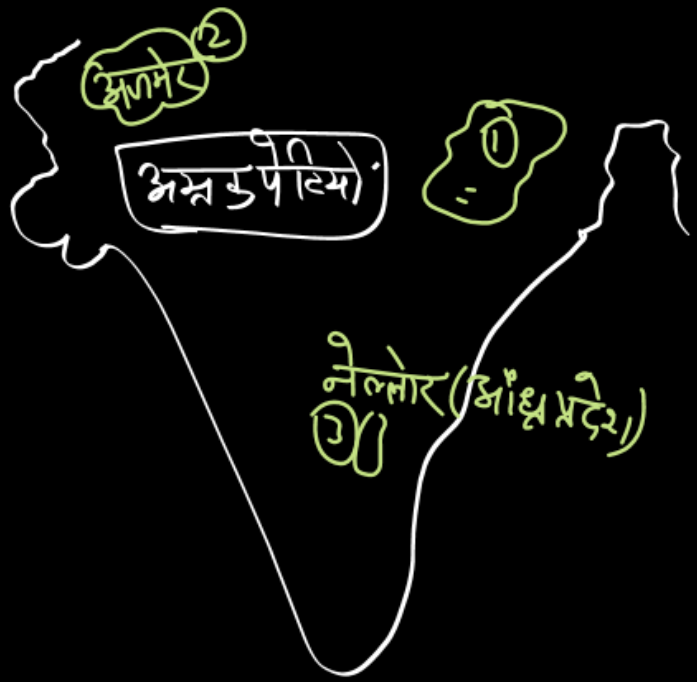
अभ्रक

(क) बॉक्साइट

(ख) अभ्रक

(ग) लौह अयस्क

(घ) ताँबा



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परत

(iii) निम्नलिखित चट्टानों में से किस चट्टान के स्तरों में खनिजों का निक्षेपण और संचयन होता है?

(क) तलछटी चट्टानें

(ख) कायांतरित चट्टानें

(ग) आग्नेय चट्टानें

(घ) इनमें से कोई नहीं

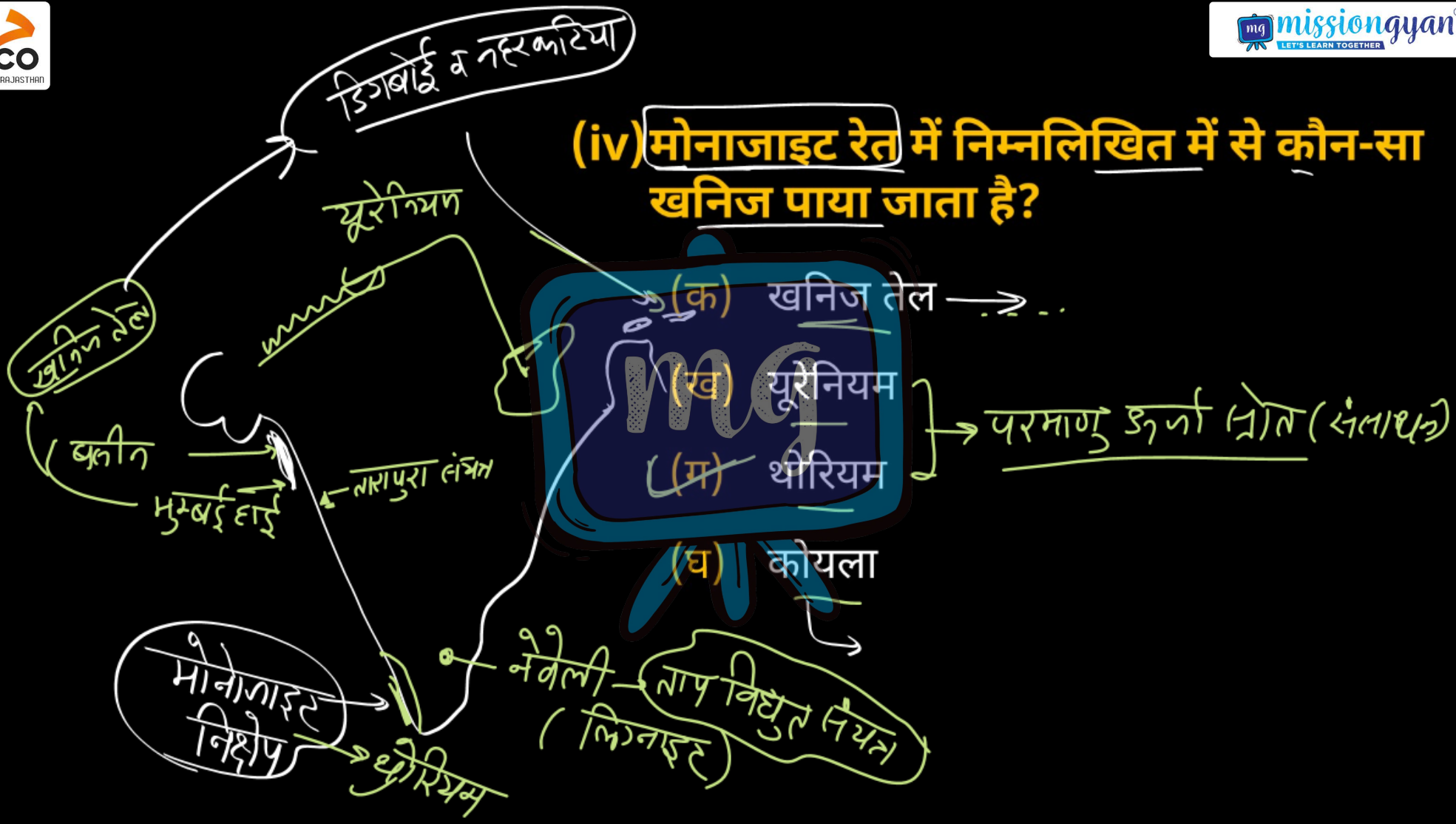
अवसादी चट्टानें



अवसादी चट्टानें

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(iv) मोनाजाइट रेत में निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज पाया जाता है?

(क) खनिज तेल →

(ख) यूरेनियम

(ग) थोरियम

→ परमाणु ऊर्जा स्रोत (संलाधन)

(घ) कोयला →

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

(i) निम्नलिखित में अंतर 30 शब्दों से अधिक न दें।

(क) लौह और अलौह खनिज

(ख) परंपरागत तथा गैर परंपरागत ऊर्जा साधन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : (क) लौह और अलौह खनिज

चुम्बकीय गुण नहीं

चुम्बकीय गुण

लौह खनिज	अलौह खनिज
(i) इन खनिजों में लोहे का अंश पाया जाता है।	(i) इन खनिजों में लोहे का अंश नहीं पाया जाता।
(ii) इनमें लोहा, मैंगनीज़, निकल, कोबाल्ट आदि खनिज शामिल हैं।	(ii) इनमें ताँबा, बॉक्साइट, सीसा और सोना शामिल हैं।
(iii) ये भारत में धात्विक खनिजों के कुल उत्पादन मूल्य में तीन-चौथाई भाग का योगदान देते हैं।	(iii) भारत में इन खनिजों की संचित राशि तथा उत्पादन संतोषजनक नहीं है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ख) परंपरागत तथा गैर-परंपरागत ऊर्जा साधन

परंपरागत ऊर्जा साधन	गैर-परंपरागत ऊर्जा साधन
(i) ऊर्जा के परंपरागत साधनों में कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस आदि सम्मिलित हैं।	(i) ऊर्जा के गैर-परंपरागत साधनों में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, जैव पदार्थों से प्राप्त ऊर्जा, गोबर तथा खेती के कूड़े-कचरे से प्राप्त ऊर्जा सम्मिलित हैं।
(ii) परंपरागत साधन अक्षय नहीं हैं।	(ii) गैर-परंपरागत साधन या तो नवीनीकरण योग्य हैं या अक्षय हैं।
(iii) परंपरागत साधनों के प्रयोग में काफ़ी खर्च करना पड़ता है।	(iii) गैर-परंपरागत ऊर्जा के साधन कम खर्चीले हैं।

(ii) खनिज क्या हैं?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : खनिज एक प्राकृतिक रूप से विद्यमान समरूप पदार्थ है जिसकी एक निश्चित आंतरिक संरचना होती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्राथमिक

तृतीयक

(iii) आग्नेय तथा कायांतरित चट्टानों में खनिजों का निर्माण कैसे होता है?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



शैल

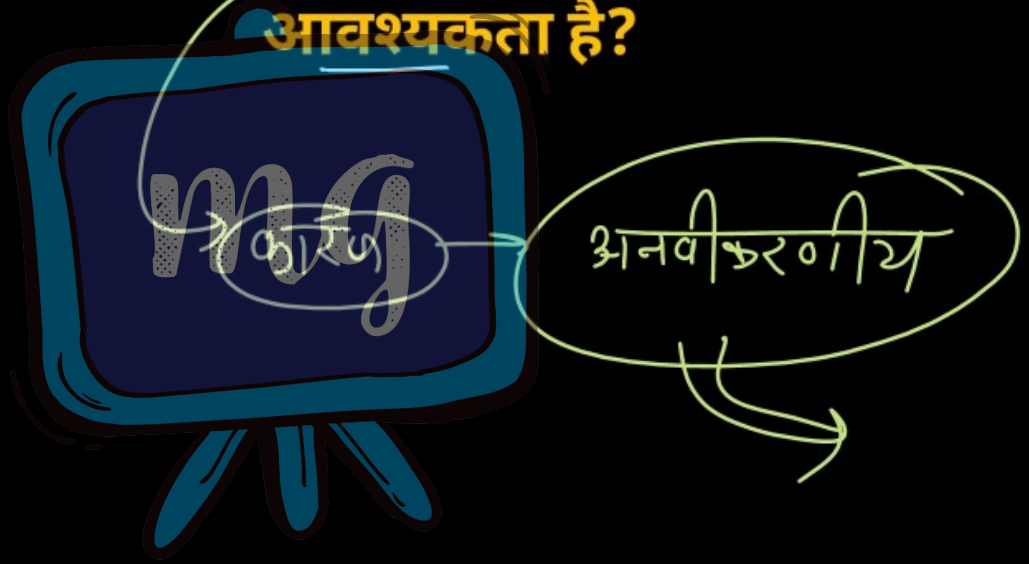
उत्तर : आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में छोटे जमाव शिराओं के रूप में और बड़े जमाव परत के रूप में पाये जाते हैं। इन शैलों में खनिजों का निर्माण तब होता है जब खनिज पिघली हुई अवस्था या गैसीय अवस्था में होता है। खनिज दरारों से होकर भूमि की ऊपरी सतह तक पहुँच जाते हैं।

उदाहरण: टिन, जस्ता, लेड आदि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(iv) हमें खनिजों के संरक्षण की क्यों आवश्यकता है?



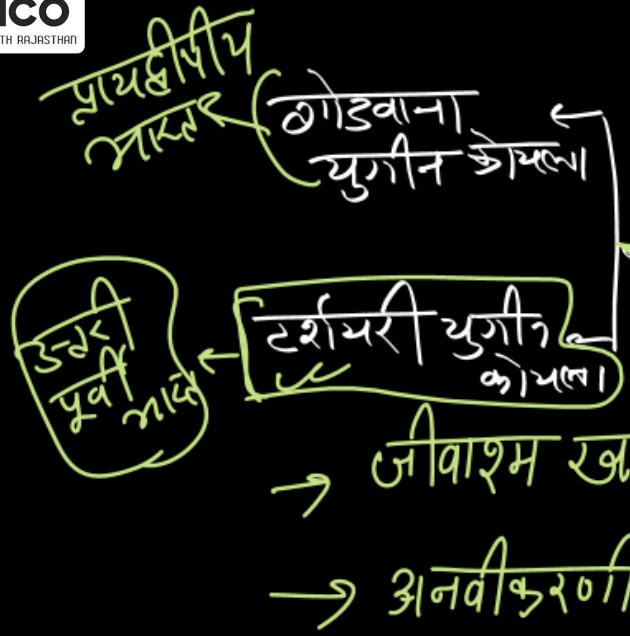
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : खनिजों के बनने में करोड़ों वर्ष लग जाते हैं। जिस तेजी से हम खनिजों का इस्तेमाल कर रहे हैं उसकी तुलना में खनिजों के पुनर्भरण की प्रक्रिया अत्यंत धीमी होती है। मतलब खनिज संसाधन सीमित हैं और अनवीकरण योग्य हैं। इसलिए खनिजों का संरक्षन महत्वपूर्ण हो जाता है।

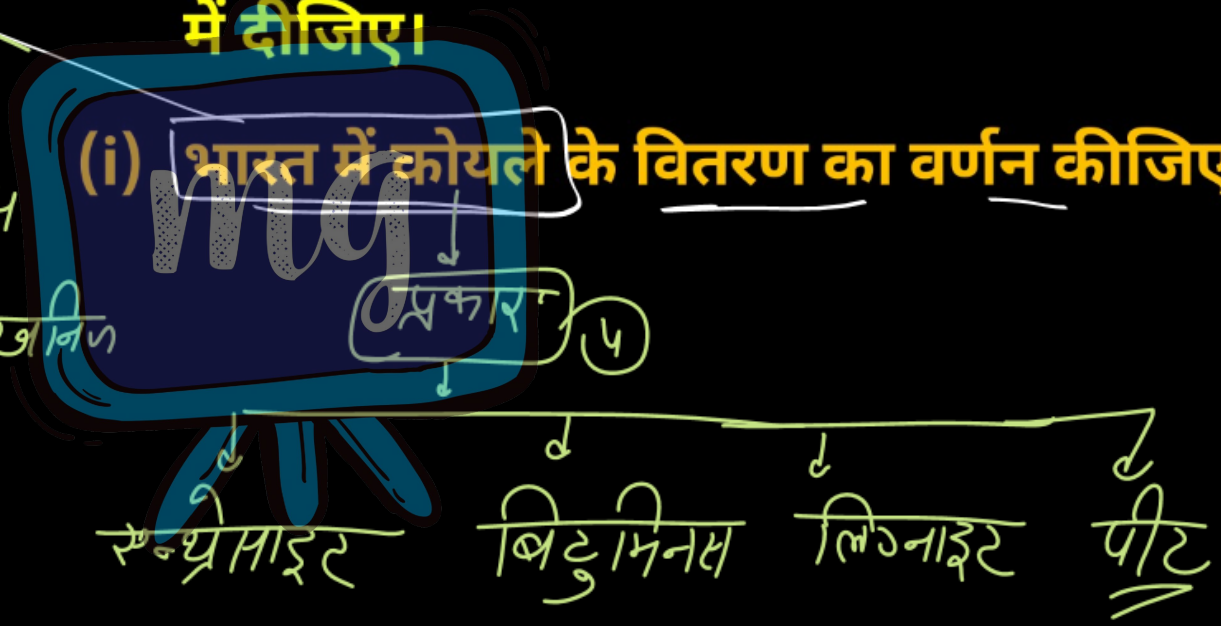
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

(i) भारत में कोयले के वितरण का वर्णन कीजिए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : भारत में पाया जाने वाला कोयला दो मुख्य भूगर्भी-युगों की चट्टानों की परतों में मिलता है। गोंडवाना कोयले का निर्माण बीस करोड़ साल पहले हुआ था।

टरशियरी कोयले का निर्माण लगभग साढ़े पाँच करोड़ साल पहले हुआ था। गोंडवाना कोयले के मुख्य स्रोत दामोदर घाटी हैं। इस बेल्ट में झरिया, रानीगंज और बोकारो में कोयले की मुख्य खदाने हैं।

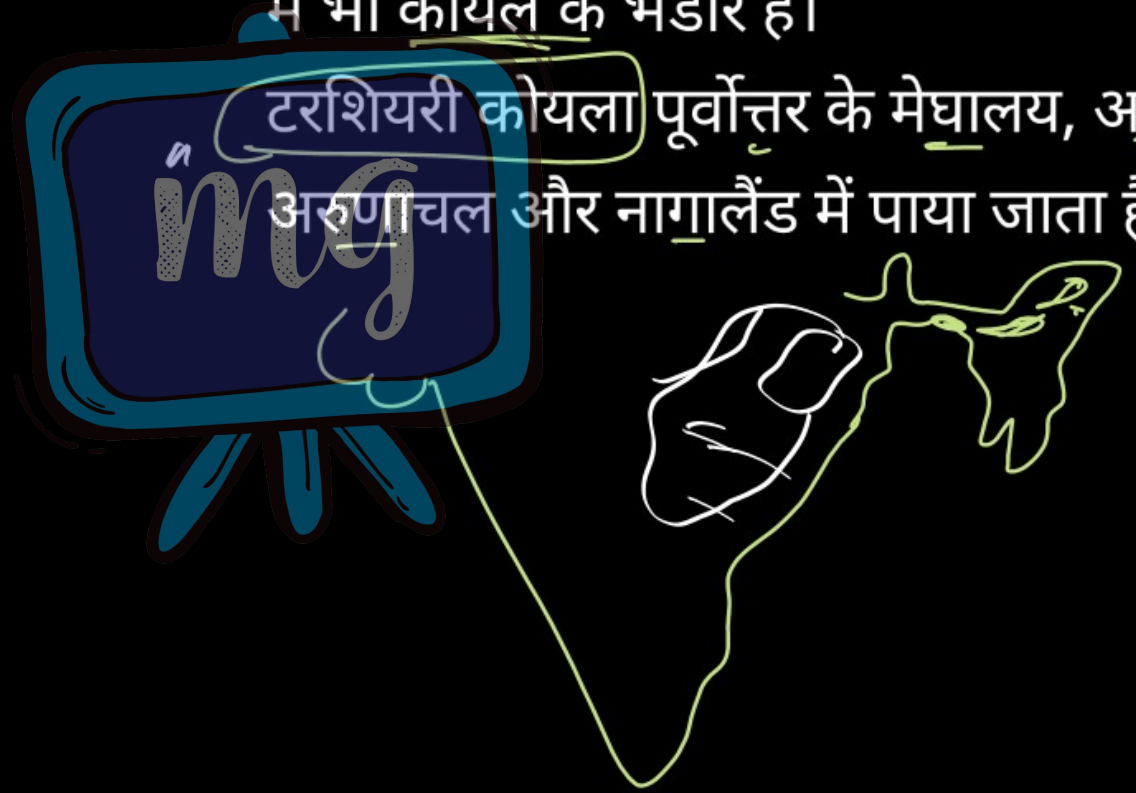
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गोंडवाना कोयला

गोदावरी, महानदी, सोन और वर्धा की घाटियों में भी कोयले के भंडार हैं।

टरशियरी कोयला पूर्वोत्तर के मेघालय, असम, अरुणाचल और नागालैंड में पाया जाता है।

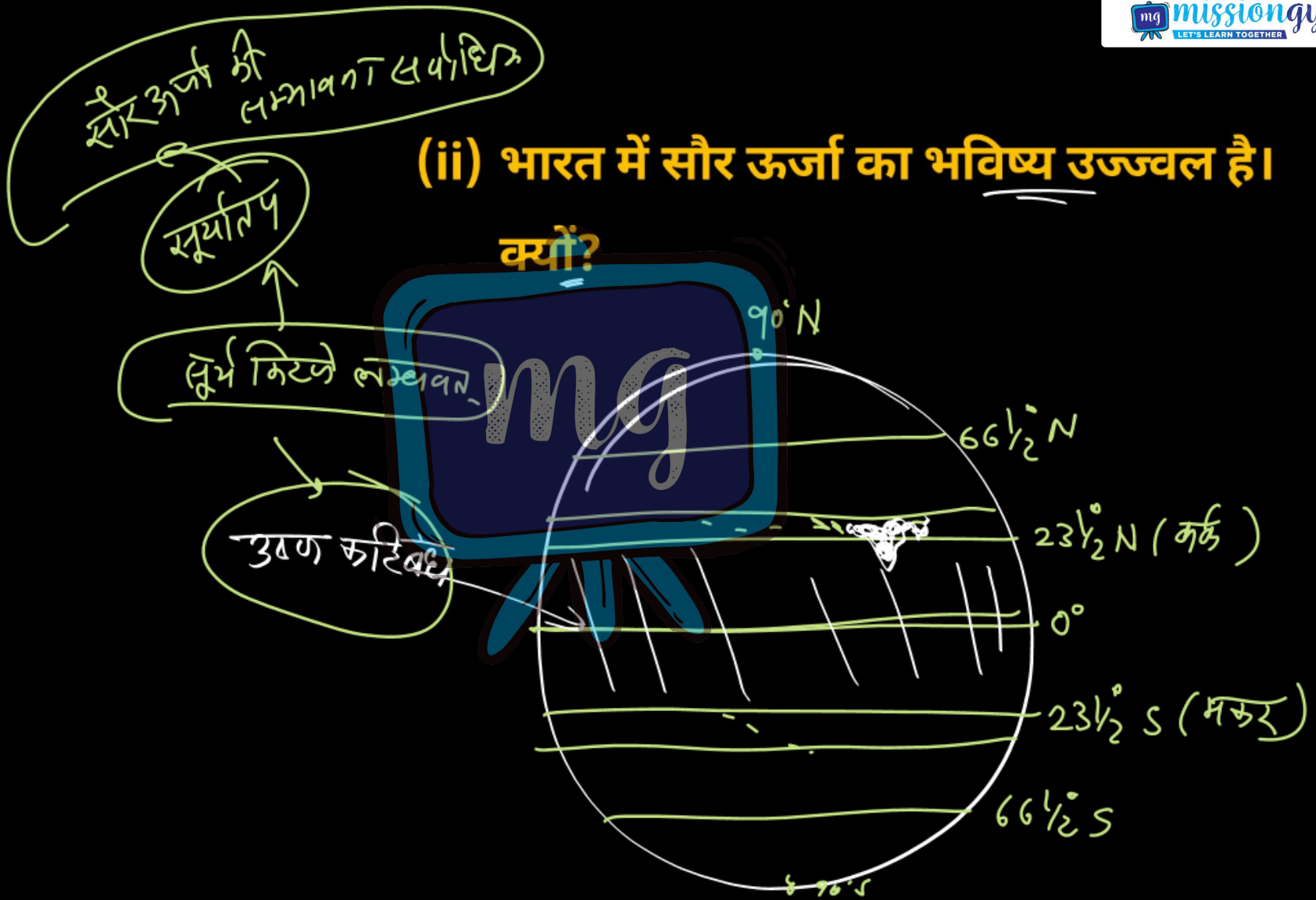


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य उज्ज्वल है।

क्यों?



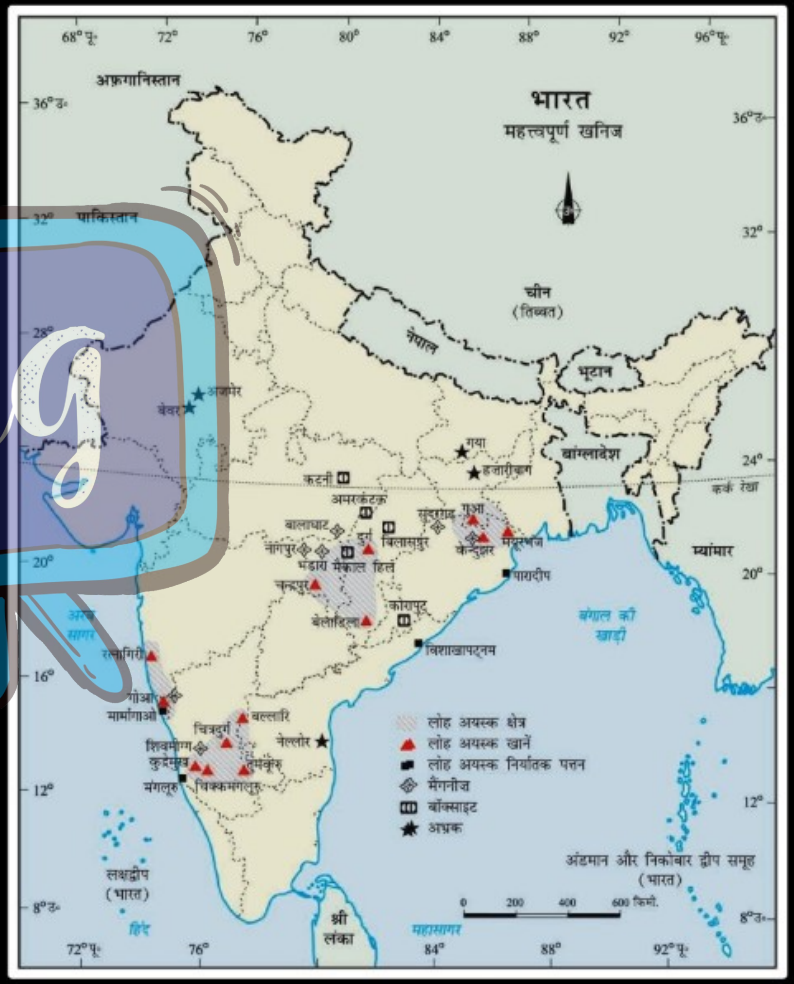
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

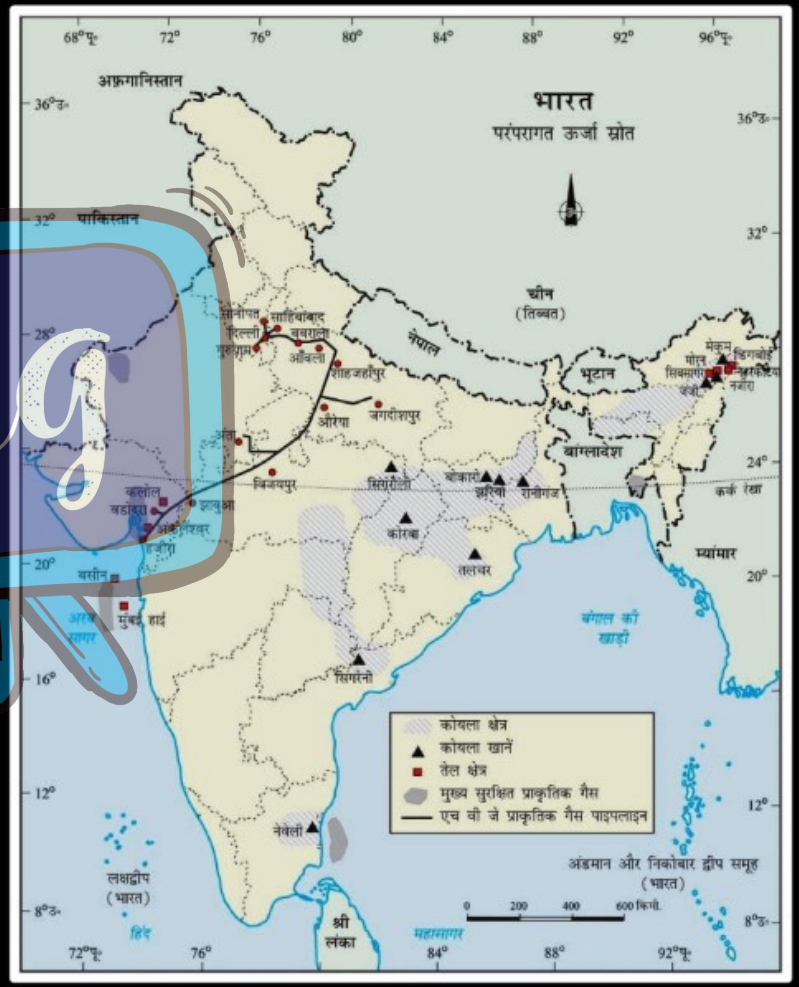
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : सौर ऊर्जा भविष्य के लिए नई उम्मीदें जगाता है। इससे ग्रामीण इलाकों में जलावन और उपलों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इससे जीवाष्म ईंधन के संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

भारत दुनिया के उन देशों में से है जहाँ साल के अधिकतर महीनों में प्रचुर मात्रा में धूप मिलती है।

इसलिए भारत में सौर ऊर्जा से बिजली का निर्माण आसानी से संभव हो सकता है। जब टेक्नॉलोजी सस्ती हो जाएगी तो यह संभव है कि सौर ऊर्जा ही हमारे लिए ऊर्जा का मुख्य साधन बन जाए।


भारत
महत्त्वपूर्ण खनिज
अफ़गानिस्तान
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
म्यांमार
श्री
लंका
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(भारत)
लक्षद्वीप
(भारत)
अरब
सागर
बंगाल की
खाड़ी
हिंद
महासागर
कर्क रेखा
लोह अयस्क क्षेत्र
लोह अयस्क खानें
लोह अयस्क निर्यातक पत्तन
मैंगनीज
बॉक्साइट
अभ्रक
0 200 400 600 किमी.


भारत
परंपरागत ऊर्जा स्रोत
अफ़गानिस्तान
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
म्यांमार
श्री लंका
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
हिंद महासागर
कोयला क्षेत्र
कोयला खानें
तेल क्षेत्र
मुख्य सुरक्षित प्राकृतिक गैस
एच वी जे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन
0 200 400 600 किमी.


भारत
ऊर्जा संयंत्र
अफ़ग़ानिस्तान
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
म्यांमार
श्री
लंका
लक्षद्वीप
(भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(भारत)
आणविक
तापीय
दिल्ली
फरीदाबाद
नरोरा
हरदुआगंज
पनकी
बरौनी
रावतभाटा
सिंगरौली
रिहन्द
रंगपुर
कर्क रेखा
चंद्रपुर
सेथलडीह
कोलकाता
अमरकंटक
कोरबा
सतपुड़ा
कोरडी
भुसावल
तलचर
नासिक
दमन
परली
चंद्रपुर
कोठागुडम
विजयवाड़ा
कैगा
कैलपक्कम
इन्नौर
चेवेली
तूतीकोरिन
बंगाल की
खाड़ी
अरब
सागर
हिंद
महासागर
0 200 400 600 किमी.